



आईसीटी क्षेत्र में विध्वंसात्मक प्रौद्योगिकियों का अविश्वास एवं नियामकीय परिपेक्ष्य से विश्लेषण करने के दौरान विशिष्ट दृष्टिकोण की आवश्यकता : प्रोफेसर रेनॉटो एनजिनी भारतीय कॉरपोरेट कार्य संस्थान (आईआईसीए) में आज विशिष्ट विशेषज्ञ व्याख्यान श्रृंखला आयोजित

Posted On: 03 MAY 2017 8:47PM by PIB Delhi

ब्रिटेन के किंग्स कॉलेज के प्रोफेसर रेनॉटो एनजिनी ने कहा है कि आईसीटी क्षेत्र में विध्वंसात्मक प्रौद्योगिकियों का अविश्वास एवं नियामकीय परिपेक्ष्य से विश्लेषण करने के दौरान विशिष्ट दृष्टिकोण की आवश्यकता है। वह आज यहाँ भारतीय कॉरपोरेट कार्य संस्थान (आईआईसीए) में विशिष्ट विशेषज्ञ व्याख्यान श्रृंखला में द्वितीय व्याख्यान दे रहे थे। वह भारत में समसामयिक नीति रुचि के एक विषय “प्रतिस्पर्धा नीति एवं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म : चुनौतियाँ एवं अवसर पर बोल रहे थे”।

अपने व्याख्यान में उन्होंने उच्च प्रौद्योगिकी वाले बाजारों से निपटने में यूरोपीय संघ और अमेरिका के तुलनात्मक परिपेक्ष्य उपलब्ध कराए। उपभोक्ताओं के लिए “निम्न स्विचिंग लागत” तथा ऑनलाइन बाजारों में “मल्टी होमिंग” की सहायता से वर्णित करते हुए उन्होंने रेखांकित किया कि “प्रतिस्पर्धात्मक प्रक्रिया और नवप्रवर्तन दोनों को ही संरक्षित किए जाने की आवश्यकता है।” उन्होंने “त्रुटि लागत विश्लेषण” के माध्यम से प्रदर्शित किया कि अविश्वास के मामलों में अगर गलत अभियोजन होता है तो निवेशों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। इसी प्रकार अगर किसी कंपनी को गलत तरीके से छोड़ दिए जाने की अनुमति दी जाती है तो उपभोक्ताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में नवोदित ऑनलाइन बाजारों में सफलता के लिए “प्लेटफॉर्म एवं प्रोडक्ट डिजाइन” केंद्रीय तत्व हैं। हाल के विभिन्न कानूनों के जरिए प्रतिस्पर्धा कानून के उद्देश्यों को उद्भूत करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि उपभोक्ताओं की सुरक्षा एवं समग्र आर्थिक कल्याण के लिए अब वैश्विक सर्वसहमति उभर रही है।

शैक्षणिक सत्र की अध्यक्षता करने वाले आईआईसीए के महानिदेशक एवं सीईओ श्री सुनील अरोड़ा ने कहा कि “डिजिटाइजेशन अब देश में एक कसौटी बन गया है लेकिन अभी इसे बहुत आगे जाना है”। उन्होंने यह भी कहा कि “साक्षरता मानकों को बेहतर करने के द्वारा डिजिटाइजेशन को और अधिक प्रोत्साहित किया जा सकता है।” भारत में बड़े उपभोक्ता आधार का उल्लेख करते हुए उन्होंने अपनी समापन टिप्पणियों में रेखांकित किया कि “आज देश में यह सबसे बड़ी ताकत है”।

वीके/एसकेजे/डीए-1251

(Release ID: 1489116) Visitor Counter : 6

